पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0
(राज्यपाल सूचना परिसर)
———————

राज्यपाल ने आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कुमारगंज, अयोध्या के तत्वावधान में आयोजित बाईसवें अखिल भारतीय अन्तः कृषि विश्वविद्यालय खेल सम्मेलन 2024–25 का किया उद्घाटन

———————

खेलकूद महोत्सव में 24 राज्यों के 56 कृषि विश्वविद्यालयों से 2 हजार खिलाड़ी प्रतिभाग कर रहे हैं

———————

जो खेलेगा, वही खिलेगा

———————

जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में महिला और पुरुष दोनों की समान रूप से सक्रिय भागीदारी आवश्यक

———————

वि0वि0 में होने वाले प्रत्येक खेल प्रतियोगिताओं में 40 प्रतिशत महिलाएं भी प्रतिभाग कर रहीं हैं जो हम सभी के लिए खुशी की बात है

– राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल

———————

लखनऊः 02 मई, 2025

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं राज्य विश्वविद्यालयों की कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल आज आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कुमारगंज, अयोध्या के तत्वावधान में आयोजित बाईसवें अखिल भारतीय अन्तः कृषि विश्वविद्यालय खेल सम्मेलन 2024–25 के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुईं। इस अवसर पर उन्होंने प्रतिभागी छात्र–छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह आयोजन न केवल आपसी सौहार्द और सांस्कृतिक एकता को सुदृढ़ करता है, बल्कि युवाओं के सर्वांगीण विकास का भी एक प्रभावी माध्यम है। इस अवसर पर राज्यपाल जी ने खेल कार्यक्रम की सूचना विवरणिका का विमोचन भी किया तथा सभी प्रतिभागियों को खेल की शपथ दिलाई। खेलकूद महोत्सव में 24 राज्यों के 56 कृषि विश्वविद्यालयों से 2 हजार खिलाड़ी प्रतिभाग कर रहे हैं।

इस अवसर पर अपने उद्बोधन में राज्यपाल जी ने कहा कि शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ रहने के लिए खेलकूद बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि जो खेलेगा, वही खिलेगा। आप सभी को खिलना है और देश को आगे बढ़ाना है। शरीर में गर्मी आएगी तभी आप खेल के मैदान में जीत पाएंगे।

कुलाधिपति जी ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री जी ने खेलो इंडिया की शुरुआत की, जिसमें युवाओं ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया और उन्हें आगे बढ़ने का मौका मिला। नियम से खेल को खेलना हमें आगे बढ़ने की सीख देता है। विश्वविद्यालय में होने वाले प्रत्येक खेल प्रतियोगिताओं में 40 प्रतिशत महिलाएं भी प्रतिभाग कर रहीं हैं जो हम सभी के लिए खुशी की बात है। उन्होंने कहा कि सेना में भर्ती होना है, देश को आगे बढ़ते हुए देखना है तो खेलना बहुत जरूरी है। उन्होंने प्रत्येक विवि से अपील किया वे अपने क्षेत्र के इंटर तक के बच्चों में खेलकूद प्रतियोगिता कराएं, इससे हमारा भारत सशक्त बनेगा और आगे बढ़ेगा।

उन्होंने विश्वविद्यालयों में शिक्षा के क्षेत्र में छात्राओं की उल्लेखनीय उपलब्धियों पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए चिंता भी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि विभिन्न दीक्षांत समारोहों में यह देखा गया है कि लगभग 80 प्रतिशत मेडल छात्राओं द्वारा अर्जित किए जा रहे हैं, जबकि छात्र अपेक्षाकृत पीछे छूटते दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने इस असंतुलन को गहराई से विचारणीय विषय बताते हुए कहा कि शिक्षा सहित जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में महिला और पुरुष दोनों की समान रूप से सक्रिय भागीदारी आवश्यक है।

राज्यपाल जी ने कहा कि लड़कियां कठिन परिश्रम कर रही हैं और निरंतर आगे बढ़ रही हैं। लड़कों को भी अपने लक्ष्य के प्रति अधिक सजग, अनुशासित और मेहनती बनने की आवश्यकता है। उन्होंने अभिभावकों, शिक्षकों और विश्वविद्यालय प्रशासन से भी अपेक्षा की कि वे छात्रों को प्रोत्साहित करें, उनकी क्षमताओं को पहचानें और उन्हें भी सफलता की दौड़ में आगे लाने के लिए एक अनुकूल वातावरण प्रदान करें।

उन्होंने दोहराया कि जब तक समाज के दोनों पक्ष पुरुष और महिला समान रूप से प्रगति नहीं करेंगे, तब तक समग्र विकास अधूरा रहेगा। इसलिए आवश्यक है कि लड़कियां अपनी सफलता की राह पर आगे बढ़ती रहें और लड़के भी प्रेरणा लेकर अपने प्रयासों को और अधिक सशक्त बनाएं। उन्होंने यह भी कहा कि भारत को विकसित बनाने के लिए एकजुट होकर कार्य करना होगा।

खेल महोत्सव के अवसर पर मौजूद विशिष्ट अतिथि खेल एवं युवा कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गिरिश चंद्र यादव ने कहा कि खिलाड़ियों के बीच प्रतिस्पर्धा होगी तभी वो आगे बढ़ेंगे। खेल की गतिविधि से जुड़कर युवा आगे बढ़ रहे हैं। यह सरकार खिलाड़ियों के लिए पौष्टिक आहार, खेल सुविधाएं, स्पोर्टस सेंटर उपलब्ध कराने का काम कर रही है। प्रदेश की योगी सरकार ने प्रत्येक ग्राम पंचयातों के अंदर खेल के मैदान को विकसित करने का काम किया है। सरकार की नई खेल नीति

ने युवाओं में एक नई उड़ान भरने का काम किया है। सरकार पदक विजेताओं को सरकारी नौकरी देने का कार्य रही है जिसमें 12 से अधिक खिलाड़ियों नौकरी दी गई है।

खेल महोत्सव के अवसर पर अपने उद्‌बोधन में कुलपति डा. बिजेंद्र सिंह ने कहा कि विवि ने शिक्षा, अनुसंधान एवं प्रसार क्षेत्र में तेजी के साथ प्रगति की है। विद्यार्थियों के लिए 15 नए डिग्री प्रोग्राम और 51 मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम शुरू किए गए हैं। इस सत्र से डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कोर्स भी शुरू किए गए हैं। उन्होंने कहा कि पहली बार में नैक में ए प्लस प्लस पाने वाला यह भारत का पहला कृषि विश्वविद्यालय है।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, पूसा, नई दिल्ली की सहायक महानिदेशक डा. विमलेश मान ने कहा कि खेलकूद से टीम वर्क को बढ़ावा मिलता है। अपने शरीर को स्वस्थ रखने के लिए प्रतिदिन एक खेल जरूर खेलना चाहिए। खेलकूद से शारीरिक ही नहीं मानसिक रूप से भी स्वस्थ रखने में बढ़ावा मिलता है। उन्होंने कहा कि शारीरिक शिक्षा को विषय के रूप में अनिवार्य रूप से लागू करना चाहिए।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अध्यापकगण, छात्र–छात्राएं प्रतिभागी खिलाड़ी सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

———————

सम्पर्क सूत्र
डॉ0 संगीता चौधरी–सूचना अधिकारी
मो0–9161668080